एम.एच.डी.-1

03887

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10x2=20

(क) सो गढ़ देखु गगन तें ऊँचा। नैनन्ह देखा, कर न पहुँचा।।
बिजुरी चक्र फिर चहुं फरी। औ जमकात फिरै जम केरी।।
छाइ जो बाजा कै मन साधा। मारा चक्र भएउ दुइ आधा।।
चाँद सुरज औ नखत तराइ। तेहि डर अेतरिख फिरही सबाईं।।

(ख) खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि
बनिक को बनिज, न चाकरकों चाकरी।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी ?'

(ग) कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है।
कहै पद्माकर परागन में पौनहू में,
पातन में पिक में पलासन पगंत है।
द्वारे में दिसान में दुनी में देस देसन में,
देखौ दीपदी पन में दीपत दिगंत है।
बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में,
बनन में बागन में बगर्‌यो बसंत है।

2. विद्यापति की काव्य-भाषा की विशिष्टताओं की चर्चा कीजिए। 10

3. आज के संदर्भ में कबीर-काव्य की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। 10

4. सूफी काव्य के रूप में ''पद्मावत'' का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. सूरदास के काव्य में वर्णित वात्सल्य भाव का चित्रण कीजिए। 10

6. मीरा के काव्य में सामंती रूढ़ियों के खिलाफ विद्रोह किस रूप में व्यक्त हुआ है? सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

7. तुलसी की काव्य कला पर निबंध लिखिए। 10

8. पद्माकर के शृंगार वर्णन की विशेषताएँ बताइए। 10